

छोटी सी हमारी नदी



१. प्रश्नों के सही विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाए।

(क) नदी की धार कैसी हैं?

(i) गोल-मटोल

(ii) टेढ़ी-मेढ़ी

(iii) धार-दार

(iv) डरावनी

(ख) नदी में किस कारण कोलाहल उठता है?

(i) वेग

(ii) तेज धार

(iii) कलकल

(iv) उपरोक्त सभी

(ग) नदी के किनारे कैसे होते हैं?

(i) निचले

(ii) चौड़े

(iii) ऊँचे

(iv) सीधे

(घ) पेड़ की छाया में कौन रहता है?

(i) ब्राह्मण टोला

(ii) चिड़िया

(iii) गाय

(iv) बंदर

(ङ) वर्षा से नदी का जल कैसा हो जाता है?

(i) स्वच्छ

(ii) अशुद्ध

(iii) काला

(iv) अपवित्र

(च) टोले में कौन-से उत्सव की खूब धूम मच जाती है?

(i) दीपावली

(ii) इर्द

(iii) वर्षा उत्सव

(iv) क्रिसमस

(छ) नदी की तेज धार से कैसी आवाज आती है?

(i) झर-झर

(ii) हूर-हूर

(iii) बल-बल

(iv) कल-कल

(ज) नदी के पेटे में क्या नहीं है?

(i) पानी

(ii) कीचड़

(iii) रेत

(iv) हवा

२. पाठ के आधार पर सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाए।

(क) छोटे बच्चे बीच नदी में जाकर उछल-कूद करते हैं।

(ख) बहुएँ थाली-कटोरी रगड़-रगड़ कर धोती है।

(ग) मेना किचपिच-किचपिच करती हैं।

(घ) गर्मियों में नदी में बहुत अधिक पानी होता है।

(ङ) नदी के एक किनारे पर आम का पेड़ है।

(च) गर्मियों में मवेशी और अन्य पशु आसानी से नदी पार कर जाते हैं।

(छ) नदी के दूसरे तट पर खजूर और महुए के पेड़ हैं।

(ज) अमराई की छाया में बनियों का टोला बसा है।

३. सही मिलान कीजिए।

कोलम - I	कोलम - II	उत्तर
1. ढोर-डंगर	i. धूप	1. _____
2. घाम	ii. डाल-डाल	2. _____
3. हुआँ-हुआँ	iii. आषाढ़	3. _____
4. डार-डार	iv. बालू	4. _____
5. पानी बहुत होता है	v. जानवर	5. _____
6. रेती	vi. सियार	6. _____

४. बॉक्स में से सही शब्दों को चुनकर खली स्थान भरिए।

मतवाली, रोला, कोलाहल, घुटनों, माहौल, उजले

- (क) गर्मियों में _____ भर पानी में चलकर लोग नदी पार करते हैं।
- (ख) काँस के पौधों पर _____ रंग के फूल खिलते हैं।
- (ग) बारिश में नदी _____ बनकर दब्नाती हुई चलती है।
- (घ) नदी के वेग और कलकल के कारण _____ उठता है।
- (ङ) दोनों पारों के वन-वन में _____ मच जाता है।
- (च) वर्षा के दौरान उत्सव जैसा माहौल हो जाता है।

५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) इन पंक्तियों की रचना किसने की हैं?

उत्तर. _____

(ख) बरसात के मौसम में नदी के गंदले पानी में क्या होने लगता हैं?

उत्तर. _____

(ग) गर्मियों में लोग नदी को पार कैसे करते हैं?

उत्तर. _____

(घ) बच्चे नदी से मछलियाँ कैसे पकड़ते हैं?

उत्तर. _____

(ङ) मैना नदी तट पर क्या कर रही है?

उत्तर. _____

(च) नदी के पानी में बरसात के दौरान क्या देखा जा सकता है?

उत्तर. _____

६. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए।

(क) धाम	=	_____	(ख) सघन	=	_____
(ग) टोला	=	_____	(घ) पाट	=	_____
(ङ) घिरनी	=	_____	(च) वर्षा	=	_____

७. निम्नलिखित शब्दों में से देशज और विदेशज शब्द अलग-अलग कीजिए।

चंचल, लोटा, तेज, शोर, पानी, गमछा, थाल, किनारा, ढालू, धोती

(क) देशज शब्द:- _____

(ख) विदेशज शब्द:- _____

८. निम्नलिखित शब्दों के समान तुक वाले शब्द लिखिए।

(क) चालू	=	_____	(ख) धार	=	_____
(ग) वन	=	_____	(घ) नाम	=	_____
(ङ) कच्चे	=	_____	(च) रोला	=	_____

९. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए।

(क) नदी	=	_____	(ख) गमछा	=	_____
(ग) मछली	=	_____	(घ) बहु	=	_____
(ङ) कपड़ा	=	_____	(च) उत्सव	=	_____

१०. निम्नलिखित पंक्तियों को पूरा कीजिए।

(क) पेटे में _____
 _____ जैसे घाम।

_____ सियार।

(ख) अमराई _____
 _____ है सघन।

_____ पर ढालें।

Answer

१. (क) टेढ़ी-मेढ़ी (ख) उपरोक्त सभी (ग) ऊँचे (घ) ब्राह्मण टोला
(ड) अशुद्ध (च) वर्षा उत्सव (छ) कल-कल (ज) कीचड़
२. (क) ✓ (ख) x (ग) ✓ (घ) x (ड) ✓ (च) ✓ (छ) x (ज) x
३. 1. v 2. i 3. vi 4. ii 5. iii 6. iv
४. (क) घुटनों (ख) उजले (ग) मतवाली (घ) कोलाहल (ड) रोला (च) माहौल
५. (क) इन पंक्तियों की रचना रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने की हैं।
(ख) बरसात के मौसम में नदी के गंदले पानी में घिरनी और भंवरी चलने लगती हैं।
(ग) गर्मियों में लोग नदी को पैदल चलकर पार करते हैं।
(घ) बच्चे नदी से मछलियाँ गमछों से पकड़ते हैं।
(ड) मैना नदी तट पर काँस के फूल की डालियों पर दिनभर किचपिच-किचपिच करती रहती हैं।
(च) बरसात के दौरान नदी में आवरें देखने को मिलती हैं।
६. (क) धूप (ख) घना (ग) बस्ती (घ) रेशम (ड) चरखी (च) बरसात
७. (क) देशज शब्द: लोटा, पानी, गमछा, किनारा, धोती
(ख) विदेशज शब्द: चंचल, तेज, शोर, ढालू, थाल
८. (क) ढालू (ख) पार (ग) सघन (घ) घाम (ड) बच्चे (च) टोला
९. (क) नदियाँ (ख) गमछे (ग) मछलियाँ (घ) बहुएं (ड) कपड़े (च) उत्सव
१०. (क) पेटे में झकाझक बालू कीचड़ का न नाम,
काँस फूले एक पार उजले जैसे घाम।
दिन भर किचपिच-किचपिच करती मैना डार-डार,
रातों को हुआँ-हुआँ कर उठते सियार।
(ख) अमराई दूजे किनारे और ताड़-वन,
छाँहोँ-छाँहोँ बाम्हन टोला बसा है सघन।
कच्चे-बच्चे धार-कछारों पर उछल नहा लें,
गमछों-गमछों पानी भर-भर अंग-अंग पर ढालें।